

संपादकीय

ट्रंप की ब्रिक्स देशों को धमकी

ट्रंप ने डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने पर ब्रिक्स देशों के उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। संभवतः ऐसी घोषणाएं करते समय ट्रंप भूल जाते हैं कि नई भू-आर्थिकी के बीच वे जो कार्ड खेल रहे हैं, वो दोधारी है।

अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि ब्रिक्स देशों ने अपने कारोबार को डॉलर से हटाने की कोशिश की, तो वे उन सबके यहां से अमेरिका होने वाले आयात पर 100 फीसदी सीमा शुल्क लगा देंगे। ब्रिक्स में कई ऐसे देश शामिल हैं, जो अमेरिका के घोषित मित्र हैं। मगर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कनाडा जैसे सहयोगी देश पर 25 फीसदी सीमा शुल्क लगाने का एलान ट्रंप पहले ही कर चुके हैं। उनका इरादा यूरोपीय देशों पर भी ऐसी कार्रवाई का है।

ऐसा लगता है कि ऐसी घोषणाएं करते समय ट्रंप भूल जाते हैं कि नई भू-आर्थिकी के बीच वे जो कार्ड खेल रहे हैं, वो दोधारी है। उसका उलटा असर भी होगा। डॉलर की भूमिका के लिए आज चुनौती पेश आई है, तो उसकी एक वजह यह है कि अपनी उत्पादक क्षमता खोने के बाद अमेरिका बाकी दुनिया के लिए अपरिहार्य नहीं रह गया है।

डॉलर को वैश्विक कारोबार की मुद्रा बनाने में अमेरिकी आर्थिक ताकत का सबसे प्रमुख योगदान था। इससे अमेरिका को ये विशेष सुविधा मिली। इस कारण देश अपने यहां उत्पन्न मूल्य का एक हिस्सा अमेरिका के नियंत्रण में भेजने को विवश हो गया। यह ऐसी ताकत थी, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग कर अमेरिका लंबे समय तक इस विशेष सुविधा को बनाए रख सकता था। लेकिन भू-राजनीतिक और कूटनीतिक मकसदों को साधने के लिए उसने इस ताकत का अनियंत्रित दुरुपयोग शुरू कर दिया। नतीजतन, उससे प्रतिबंधित देशों की उसकी सूची लंबी होती चली गई।

लाजिमी है, प्रतिबंधित एवं प्रतिबंधों की आशंका झेल रहे देश विकल्प की तलाश में जुटते। उसका परिणाम फिलहाल अपनी मुद्राओं में अंतरराष्ट्रीय भुगतान करने के चलन में दिख रहा है। ब्रिक्स ऐसे सामूहिक प्रयास का मंच बना है। चल चुके इस चक्र को रोकना अब कठिन है। ट्रंप प्रतिबंधों की राह छोड़ने और डॉलर के अंतरराष्ट्रीय भुगतान के मंच स्विफ्ट से किसी देश को बाहर ना करने का एलान करते, तो शायद वे कुछ सकारात्मक परिणाम हासिल कर सकते थे। लेकिन उन्होंने वही तलवार उठाई है, जिसके इस्तेमाल का नतीजा डॉलर से बचने की परिघटना के रूप में सामने आया है।

टिम साउदी ने अपने विदाई टेस्ट में क्रिस गेल के छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी की

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने शनिवार को सेडन पार्क में अपने अंतिम टेस्ट मैच के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल के छक्के मारने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

टेस्ट क्रिकेट में साउदी और गेल के अब बराबर छक्के (98) हो गए हैं, जो केवल एडम गिलक्रिस्ट (100), ब्रेंडन मैकलम (107) और बेन स्टोक्स (133) से पीछे हैं।

साउदी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में 272/8 के स्कोर पर

बल्लेबाजी करने आए। उन्हें अपने विदाई टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाड़ियों से गार्ड ऑफ ऑनर मिला। साउदी ने अपनी पारी की पहली गेंद पर बेन स्टोक्स का सामना किया और पूरी तरह से चूक गए। हालांकि, स्टोक्स के अगले ओवर में साउदी ने मिड-विकेट और डीप स्क्वायर-लेग पर दो बड़े छक्के लगाए, इसके बाद पांचवीं गेंद पर एक रन लिया। अपनी धमाकेदार फॉर्म को जारी रखते हुए, साउदी ने गस एटकिंसन के अगले ओवर की पहली गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाया और अगली गेंद को पॉइंट बाउंड्री पर पहुंचा दिया। आखिरकार एटकिंसन ने अपना बदला तब

लिया जब साउदी ने स्लॉग को मिसटाइम किया और ब्रायडन कार्स ने कैच लपका। साउदी 10 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 230 रहा, जो न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज द्वारा 10 गेंदों में कट-ऑफ के साथ खेले गई तीसरी सबसे तेज टेस्ट पारी थी। उल्लेखनीय रूप से, सूची में दूसरा स्थान भी साउदी का ही है, जो 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 10 गेंदों में नाबाद 24 रन की पारी की बंदोबत है। अपनी पारी के दौरान, साउदी के दूसरे छक्के ने उन्हें जैक्स कैलिस के साथ 97 छक्कों के साथ सर्वकालिक टेस्ट छक्का लगाने की सूची में पांचवें स्थान पर ला खड़ा किया।

तीसरे छक्के ने उन्हें क्रिस गेल के साथ चौथे स्थान पर ला खड़ा किया। सिर्फ दो और छक्कों के साथ, वह 100 टेस्ट छक्कों तक पहुंचने वाले चौथे क्रिकेटर बन सकते हैं, एक अतिरिक्त हिट के साथ एडम गिलक्रिस्ट के स्कोर को पीछे छोड़ सकते हैं। साउदी के असाधारण आंकड़ों को रेखांकित करने वाले तीन अद्वितीय कारक हैं: उन्होंने कभी भी शीर्ष सात में बल्लेबाजी नहीं की है, किसी और की तुलना में बेहतर छक्के लगाने का दावा करते हैं और अपनी स्कोरिंग के लिए चौकों की तुलना में छक्कों पर अधिक निर्भर करते हैं।

राम चरण की फिल्म आरसी में हुई दिव्येंद्रु शर्मा की एंट्री, पहली झलक आई सामने

तेलुगु सुपरस्टार राम चरण अपनी आगामी फिल्म आरसी 16 (अस्थाई नाम) को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर के नजर आने की चर्चा बीते कुछ समय से काफी ज्यादा चल रही थी। इस बीच इस फिल्म में अब एक और सितारे की एंट्री हो गई है। वेब सीरीज मिर्जापुर में मुन्ना भैया का किरदार निभाने वाले दिव्येंद्रु अब राम चरण के साथ पद पर नजर आने वाले हैं।

हाल ही में निर्माताओं ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी फैंस के साथ साझा की है। वृद्धि सिनेमाज के आधिकारिक एक्स

पेज पर दिव्येंद्रु के फिल्म में काम करने की पुष्टि की गई है। साथ ही, निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी है कि फिल्म में उनके लिए खास तरह का किरदार तैयार किया गया है। इस एक्स पोस्ट में दिव्येंद्रु खतरनाक लुक में नजर आ रहे हैं। अभिनेता के फोटो के साथ पोस्ट में लिखा है, हमारे पसंदीदा मुन्ना भैया, उनके लिए खास तौर पर तैयार की

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी की तीसरी किस्त का ऐलान, रिलीज डेट से भी उठा पर्दा

रानी मुखर्जी की मर्दानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था इसकी दूसरी किस्त ने भी क्रिटिकस और दर्शकों की खूब सरहना बटोरी थी. तभी से इसके तीसरे पार्ट का सभी बेसवरी से इंतजार कर रहे थे. अब वह इंतजार खत्म हुआ क्योंकि यशराज स्टूडियो ने मर्दानी 3 का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दिया है. बता दें मर्दानी 2 को रिलीज हुए 5 साल हो गए हैं इसी मौके पर मेकर्स ने मर्दानी 3 की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट करते हुए दर्शकों को सरप्राइज दिया है. वहीं 2024 में मर्दानी की रिलीज

को 10 पूरे हो गए हैं. इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत 2014 में हुई थी. 22 अगस्त 2014 को मर्दानी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे पॉजिटिव रिसांस मिला था. यशराज स्टूडियो ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज करते हुए रिलीज डेट का ऐलान किया.

सर्दियों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं को क्यों लगती है ज्यादा ठंड

सर्दियों की दस्तक के साथ ठिठुरन बढने लगी है. दिसंबर में हर गुजरते दिन के साथ पारा गिरता जा रहा है. ठंड ने भी अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है. लोगों को घर से बाहर निकलते ही ठंड का अहसास होने लगता है. क्या आपने कभी गौर किया है कि ठंड का असर पुरुषों की तुलना में महिलाओं पर ज्यादा होता है. पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को ज्यादा ठंड क्यों लगती है? पर हो या बाहर महिलाओं को ठंड ज्यादा क्यों लगती है? सर्दियों में कुछ लड़कियों को छोड़कर अधिकांश महिलाओं को लेयर पर लेयर कपड़े डालने के बाद भी बहुत ठंड लगती है. आइए जानते हैं इसका कारण एक्सपर्ट से.

पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ठंड ज्यादा क्यों लगती है?

कम मांसपेशियां- विशेषज्ञ ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए बताया कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ठंड ज्यादा क्यों लगती है? उन्होंने बताया कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं के शरीर पर लो मास होता है. इसकी वजह से उनकी मांसपेशियां गर्मी उत्पन्न करने का प्रमुख

स्रोत होती हैं. पुरुषों में ज्यादा मांसपेशियां होने के कारण उन्हें कम ठंड लगती है. महिलाओं के शरीर पर कम मांसपेशियां होती हैं, इसकी वजह से हीट का प्रोडक्शन कम होता है. इसी वजह से उन्हें ज्यादा ठंड लगती है.

लो मेटाबॉलिक रेट- पुरुषों की तुलना में महिलाओं को ज्यादा ठंड लगने का दूसरा कारण है लो मेटाबॉलिक रेट. मेटाबॉलिज्म का अर्थ ही होता है शरीर की ऊर्जा खर्च करने का प्रोसेस. इसमें शरीर कैलोरी को ऊर्जा के रूप में परिवर्तित करता है. क्योंकि महिलाएं कम मांसपेशियां और कैलोरी जलाने की क्षमता रखती हैं. इसलिए उनकी मेटाबॉलिक रेट भी कम होती है. इससे गर्मी का उत्पादन भी कम होता है. इसलिए उन्हें ज्यादा ठंड लगती है.

हार्मोनल प्रभाव- एक्सपर्ट के अनुसार महिलाओं को ज्यादा ठंड लगने का तीसरा कारण है हार्मोनल प्रभाव. महिलाओं के शरीर में प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन की मात्रा अधिक होती है. यह हार्मोन शरीर में रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है जिससे हीट लॉस होता है और हीट प्रकशन भी नहीं होता है.

शब्द सामर्थ्य- 266

बाएँ से दाएँ	21. विक्रय करना	22. चाणी, गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस	11. किस्मत, तकदीर, भाग्य	14. बंदर, मकंद, कपि
1. राजद प्रमुख	6. रखवाला, कथन, वादा	24. तारा में दस अंकों वाला पत्ता	25. नगर का, नागरिक, चतुर।	उपर से नीचे
रक्षा करने वाला (उ.)	10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म	अभिनेता	13. कैदखाना, जेल, हिरासत	15. जानकी, प्रेमि
17. व्यर्थ की बात, बकबक	18. नारी, स्त्री, महिला	बगुला	8. झुका हुआ, झुकाया	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
शब्द सामर्थ्य क्रमांक 256 का हल																								
मा	म	ला	सि	वा	य	कि																		
लि	चा	ह	त	म	म	ता																		
क	सू	र	म	ग	न	ब																		
क	मा	न	पा	र	स	स																		
मी	म	जा	ल	न	क	ली																		
ना	दा	न	ना	र	द	का																		
मि	तों																							
सु	नी	ल	अ	धी	र	जी																		

सू-दोक्- 266

2	6	8	3																						
9	8	3	4																						
5	2	7	6																						
8	2	4	1	3																					
8	9	6	1	3																					
5	1	6	2																						
नियम				सू-दोक् क्र.256 का हल																					
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9वां का एक खंड बनाता है।	2	6	3	8	1	4	9	7	5																
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।	9	5	4	2	6	7	3	1	8																
3. बाएं से दाएँ और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।	8	7	1	9	3	5	6	2																	
	6	2	7	5	4	8	4	3	9																
	3	9	8	6	7	1	2	5	4																
	4	1	5	3	2	9	6	8	7																
	5	3	2	4	8	6	7	9	1																
	1	8	6	7	9	2	5	4	3																
	7	4	9	1	5	3	8	2	6																

